संपादकीय

विस्थापन की गति

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर नजर रखने वाली एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था ने यह बताकर देश की चिंताएं बढ़ा दी हैं कि भारत में ग्लोबल वार्मिंग के चलते होने वाला विस्थापन अनुमान से बहुत ज्यादा है। इसके चलते प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के विस्थापित होने की संख्या में तेजी आई है क्योंकि निर्धन लोग लगातार आने वाली प्राकृतिक विपदाओं का दंश झेल नहीं पा रहे हैं। मौसम के मिजाज में बदलाव के कारण देश के विभिन्न भागों में प्राकृतिक आपदाओं की गति में तेजी आई है, जो अंततः विस्थापन की वजह बनती हैं। दरअसल, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एनवायरनमेंट एंड डेवलपमेंट की हालिया रिपोर्ट बताती है कि आपदाओं के चलते गरीब लोग अपनी जमीन से उखड़ रहे हैं। भारत में जलवायु परिवर्तन से जुड़े इस पहले अध्ययन की रिपोर्ट इसी सप्ताह जारी की गई, जिसमें बताया गया कि बाढ़-सूखे के चलते फसलों की तबाही तथा चक्रवातों के कारण मछली पालन में गिरावट से यह विस्थापन बढ़ा है। कमजोर तबका निरंतर हो रहे नुकसान को सहन नहीं कर पा रहा है। इन आपदाओं की आवृत्ति बढ़ने की आशंकाओं के बीच वह सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहा है। इससे पहले जर्मनी वॉच ने ग्लोबल वार्मिंग के खतरों के बाबत जो सूची जारी की थी, उसमें भारत शीर्ष दस देशों में शामिल था। भारत की इन्हीं चिंताओं को इस बात से महसूस किया जा सकता है कि दुनिया के प्रमुख देशों के नेताओं के जलवायु परिवर्तन पर 31 अक्तूबर से होने वाले ग्लासगो सम्मेलन में भाग लेने प्रधानमंत्री स्वयं जा रहे हैं, जबकि पर्यावरण मंत्री भी वहां मौजूद रहेंगे। चिंता की बात यह है कि एक अनुमान के अनुसार बीते साल भारत को प्राकृतिक आपदाओं मसलन बेमौसमी बारिश, बाढ़, सूखे व चक्रवाती तूफानों की वजह से 87 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। जाहिर है विभिन्न देशों में हो रहे इस नुकसान में जलवायु परिवर्तन की बड़ी भूमिका है। कमोबेश ऐसी ही प्राकृतिक आपदाएं इस साल अमेरिका व यूरोप के विकसित देशों ने भी महसूस की।

इन्हीं वैश्विक चिंताओं के बीच दुनिया के करीब सवा सौ देश ब्रिटेन के ग्लासगो शहर में जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के उपायों पर विचार करने को एकत्र हो रहे हैं। संकट की विभीषिका को महसूस करते हुए कॉनफ्रेंस ऑफ पार्टीज नामक सम्मेलन 13 दिन तक चलेगा, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन समेत शीर्ष नेता शामिल हो रहे हैं। सम्मेलन में पेरिस समझौते के क्रियान्वयन और आगे की रणनीति पर विचार होगा। दरअसल, पेरिस सम्मेलन में दुनिया को ग्लोबल वार्मिंग से बचाने हेतु वैश्विक तापमान को 1.5 से 2 डिग्री सेल्सियस तक रोकने का लक्ष्य रखा गया था, जिसके लिये देशों ने अपने यहां कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लक्ष्य निर्धारित किये थे। लेकिन इससे वैश्विक लक्ष्य प्राप्त करने में ज्यादा मदद मिलती नजर नहीं आती क्योंकि यूएन के मुताबिक सदी के अंत तक दुनिया का तापमान 2.7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है।

भारत में बैन नहीं होगी क्रिप्टोकरंसी, कानून के दायरे में लाने की तैयारी में केंद्र सरकार

नई दिल्ली। भारत सरकार अगले साल फरवरी में आने वाले बजट में क्रिप्टोकरंसी को विनियमित करने संबंधी बड़ी घोषणाएं कर सकती है। भारत में हाल के वर्षों में क्रिप्टोकरंसी में निवेश का बाजार बढ़ा है और ऐसे में इसके लिए कानूनी ढांचा ला सकती है। वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने इस संबंध में संकेत दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार सरकार के पहले के क्रिप्टोकरंसी पर पूर्ण प्रतिबंध के दृष्टिकोण से दूर जाने की अब संभावना है। प्रतिबंध की बजाय सरकार इसे विनियमित करने का विकल्प चुन सकती है। वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारी इस संबंध में कानूनी ढांचे और आवश्यक नियमों को ठीक करने के लिए लगातार बात कर रहे हैं। विनियमन की ओर सोच है। अधिकारी ने कहा, कल ये नहीं होना चाहिए कि अगर मैं एक अपनी डिजिटल करंसी शुरू करता हूं और अच्छी मार्केटिंग के बाद कोई लोग इसे खरीदतें हैं और फिर मैं भाग जाता हूं, क्योंकि मैं एक प्राइवेट प्लेयर हूं। लोगों ने अपने अन्य संपत्तियों का उपयोग करके उस करंसी को खरीदा होगा। ऐसी स्थिति से बचने के लिए सरकार को विनियमन की ओर देखने की जरूरत है। मौजूदा समय में भारत में क्रिप्टोकरंसी जारी करने, उपयोग करने और व्यापार को नियंत्रित करने के लिए कोई कानूनी ढांचा नहीं है, जबकि भारत को विश्व स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते क्रिप्टोकरेंसी बाजारों में गिना जा रहा है। एक अनुमान के अनुसार हाल-फिलहाल में 15 लाख भारतीयों ने निजी क्रिप्टोकरंसियों में निवेश किया है। इस क्षेत्र में काम कर रहे दर्जनों स्टार्ट-अप सहित निवेश के जोखिम के बावजूद लोगों का रुझान इस ओर बढ़ रहा है। भारत में क्रिप्टोक्यूरंसी ट्रेडिंग में इस साल मई के बाद से तेज वृद्धि देखी गई है। ये उछाल खासकर आरबीआई के उस स्पष्टीकरण के बाद आया जिसमें बैंकों को क्रिप्टोक्यूरंसी ट्रेडिंग के खिलाफ ग्राहकों को चेतावनी नहीं देने के लिए कहा गया था। वहीं, साल 2019 में एक वित्त मंत्रालय की समिति ने एक विधेयक का प्रस्ताव दिया था। इसमें क्रिप्टोक्यूरंसी पर प्रतिबंध की बात कही गई थी हालांकि इसे अब ठंडे बस्ते में डालते हुए समाप्त कर दिया गया है।

अहमदाबाद आईपीएल फ्रेंचाइजी के मालिकों ने किया पहला भुगतान

दुबई। आईपीएल 2022 सत्र के लिए अहमदाबाद फ्रेंचाइजी के लिए सीवीसी कैपिटल की ओर से लगाई गई सफल बोली पर भले ही संदेह की स्थिति हो, लेकिन जानकारी सामने आई है कि सीवीसी ने अपनी पहली वित्तीय प्रतिबद्धता पूरी कर ली है।

समझा जाता है कि कंपनी ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को 75 करोड़ रुपए का भुगतान किया है, जो एक फ्रेंचाइजी द्वारा बोली जीतने के बाद आवश्यक है। यह भी सामने आया है कि 120 बिलियन से अधिक टर्नओवर वाली अमेरिकी निवेश कंपनी ने भी मताधिकार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अब इसके लिए केवल बीसीसीआई अधिकारियों के प्रतिहस्ताक्षर की जरूरत है।

सीवीसी को अब बीसीसीआई से हस्ताक्षरित कागजात का इंतजार है, जिसे लखनऊ फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका का आरपीएसजी ग्रुप भी ढूंढ रहा है। समझौते के अनुसार दो नई फ्रेंचाइजियों को जनवरी 2022 के पहले हफ्ते में अपनी बोली राशि का 30 प्रतिशत भुगतान करना होगा। उल्लेखनीय है कि सीवीसी ने 5625 करोड़ रुपए में अहमदाबाद फ्रेंचाइजी, जबकि आरपीएसजी ग्रुप ने 7090 करोड़ में लखनऊ फ्रेंचाइजी का स्वामित्व जीता है।

उल्लेखनीय है कि ब्रिटिश सट्टेबाजी कंपनी में निवेश के कारण सीवीसी कैपिटल्स की बोली पर संदेह किया गया है और इसके बाद ही यह अटकलें सामने आई थी कि बीसीसीआई पूरे सौदे की समीक्षा करेगा, क्योंकि भारत में सट्टेबाजी फर्मों के साथ संबंध अवैध हैं। इस पर तर्क-वितर्क इसलिए हुआ था, क्योंकि ब्रिटेन में स्काई बेटिंग में सीवीसी निवेश ब्रिटिश कानूनों के अनुसार अवैध नहीं है।

अगली दिवाली तक सोना हो सकता है 53 हजारी

नई दिल्ली । कोरोना से निपटने के लिए टीकाकरण की तेज गति के मद्देनजर अर्थव्यवस्था में आ रही मजबूती से अब लोगों के जोखिम भरे निवेश की ओर आकर्षित होने से अगली दिवाली तक सोना के 53 हजारी होने की उम्मीद जतायी जा रही है।

बाजार अध्ययन करने वाली कंपनी मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की मानें तो अगले 12 महीनों में सोने की कीमतों को लेकर उसका रुख सकारात्मक है। कंसॉलिडेशन की प्रक्रिया के बाद कुछ उछाल देखने को मिल सकता है। मौजूदा परिदृश्य में कम समय के लिए कुछ बाधायें आ सकती हैं, जो निवेशकों को खरीददारी का बेहतर मौका दे सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना एक बार फिर से 2000 डॉलर तक बढ़ने की क्षमता रखता है और यहां तक कि कॉमेक्स पर एक नया लाइफटाइम हाई भी बना सकता है। घरेलू मोर्चे पर अगले 12 महीनों में कीमतें 52000-53000 रुपये प्रति दस ग्राम के उच्च स्तर तक जा सकती हैं।

उसने कहा कि वर्ष 2019 और 2020 के दौरान सोने की कीमतों में अच्छा उछाल देखा गया है, जो क्रमशः 52 प्रतिशत और 25 प्रतिशत के करीब रहा है। हालांकि 2021 में कुछ गिरावट भी देखी गयी और अभी सोना 47000 रुपये से 49000 रुपये प्रति दस ग्राम के बीच कारोबार कर रहा है। भारत में सोने की मांग 2020 में महामारी के दौरान देखे गए निचले स्तर से तेजी से बढ़ी है। दिवाली 2020 के विपरीत इस साल प्रतिबंधों में काफी ढील है, दुकानें खुली हैं और इस साल कुल मांग में भी वृद्धि हुई है, जिससे आयात भी बढ़ा है। सितंबर 2021 तक 740 टन सोना का आयात हुआ है।

डीडीसीए में शशि खन्ना प्रथम महिला उपाध्यक्ष बनी

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के चुनाव में शानदार जीत पर श्रीमती संगीता जेटली (धर्मपत्नी स्वर्गीय अरुण जेटली) ने सभी पदाधिकारियों को बधाई दी है। शशि खन्ना डीडीसीए में पहली उपाध्यक्ष बनीं। इस खुशी के मौक़े पर डीडीसीए में श्रीमती संगीता जेटली के साथ अध्यक्ष रोहन जेटली, सचिव सिद्धार्थ साहिब सिंह और डीडीसीए उपाध्यक्ष श्रीमती शशि खन्ना ने केक काटकर एक-दूसरे को बधाई दी। इस अवसर पर डीडीसीए के जीते हुए सभी पदाधिकारियों के साथ दिल्ली के सांसद प्रवेश वर्मा भी उपस्थित रहे । साथ में सांसद प्रवेश वर्मा , डीडीसीए के नव निर्वाचित कोषाध्यक्ष पवन गुलाटी और सचिव सिद्धार्थ साहिब सिंह भी उपस्थित रहे ।

देश की आजादी के लिये बलिदान न दे सके तो युवा कर सकते हैं स्वच्छता में योगदान : अनुराग ठाकुर

लखनऊ। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने देश के नौजवानों से स्वच्छता अभियान से जुड़कर इसे आगे बढ़ाने का आह्वान किया है ।

उन्होंने कहा कि हम देश की आजादी के लिए बलिदान नहीं दे पाए लेकिन देश की स्वच्छता के लिए योगदान तो दे सकते हैं । ठाकुर अवध विश्वविद्यालय ,अयोध्या में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत एक माह तक चलने वाले स्वच्छ भारत अभियान पर एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने देश के युवाओं से स्वच्छता अभियान में अपना योगदान करने का आह्वान करते हुए बताया कि एक माह के इस अभियान में देश में विभिन्न स्थानों से 75 लाख किलो प्लास्टिक कूड़ा कचरा एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन इसके सापेक्ष एक महीने से कम की अवधि में ही अब तक 108 लाख किलो प्लास्टिक कचरा एकत्रित कर लिया गया ।

उन्होंने बताया कि यह प्लास्टिक कचरा तीन लाख 41 हजार गांव और जगहों से इकट्ठा किया गया । इसके अंतर्गत 6 लाख कार्यक्रम किये गए। उन्होंने कहा कि इस अभियान की शुरुआत प्रदेश में प्रयागराज से शुरू हुई थी और समापन अयोध्या में हो रहा है।

स्वास्थ्य के लिए बहुत गुणकारी है मिनरल ऑयल, ये हैं इसके फायदे

मिनरल ऑयल में न तो कोई रंग होता है और न ही महक। वहीं, इसे प्रोसेस्ड पेट्रोल से बनाया जाता है। आमतौर पर काफी समय से इसका इस्तेमाल ट्रांसपोर्ट आदि के पुर्जों के लिए किया जाता था, लेकिन हाल ही में हुए रिसर्च में इस बात का जिक्र मिलता है कि यह कई ऐसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है कि यह कई शारीरिक और त्वचा संबंधित समस्याओं से राहत दिला सकता है। आइए आज इसके फायदे जानते हैं।

त्वचा के विकारों को दूर करने में है सहायक- मिनरल ऑयल का इस्तेमाल उन लोगों के लिए बहुत प्रभावी है, जो एक्जिमा और सोरायसिस जैसे त्वचा संबंधी विकारों से जूझ रहे हैं।

एक शोध के अनुसार, मिनरल ऑयल एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से समृद्ध होता है, जो इन त्वचा संबंधी विकारों से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। वहीं, यह त्वचा की नमी के स्तर को बढ़ता है, जिसके चलते यह त्वचा को इन विकारों से सुरक्षित रख सकता है।

बेहतर नींद पाने के लिए करें तेल का इस्तेमाल- एक शोध के अनुसार, मिनरल ऑयल नर्वस सिस्टम को शांत करने और शरीर को आराम देने में भी मदद कर सकता है। इसके अलावा, आप इस तेल का इस्तेमाल बेहतर नींद पाने के लिए भी कर सकते हैं। अगर आपको अनिद्रा की समस्या है तो इस तेल की कुछ बूंदों को डिफ्यूजर में डालें और इसे चालू करके अपने बिस्तर के पास रख लें।

त्वचा को भरपूर नमी प्रदान करने में है सहायक- एक शोध के मुताबिक, मिनरल ऑयल में मौजूद फैटी एसिड त्वचा को मॉइस्चराइज करने में मदद कर सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष : आज आपमें भावुकता की मात्रा काफी रहेगी, जिसके कारण किसी की बातों से या व्यवहार से आपकी भावनाओं को ठेस पहुंच सकती है।

वृषभ : आपकी चिंताएं कम होने से आप काफी राहत का अनुभव करेगें। आज आप काफी भावुक और संवेदनशील रहेंगे, जिससे आपकी कल्पनाशक्ति और सृजनशक्ति उभर कर सामने आएगी।

मिथुन : आर्थिक योजनाओं के कारण आपकी कई परेशानियां कम होती लगेंगी। नौकरी व्यवसाय में आपके सहयोगियों का सहयोग मिलगा जिससे माहौल अच्छा बना रहेगा।

ककर्: आपके दोस्तों, परिजनों तथा परिवार के साथ आपका दिन काफी बेहतर बीतेगा। उनकी ओर से मिले उपहार आपके हर्ष को दोगुना कर देगी।

सिंह : मन में बेचैनी रहेगी तथा विभिन्न चिंताएं सताएगा। शारीरिक स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी वाणी और व्यवहार में संयम रखना आवश्यक है।

कन्या : लक्ष्मीजी की कृपा आप पर रहेगी। बुजुर्गों तथा मित्रों के साथ आपका दिन आनंद में बीतेगा। प्रवास पर जा सकते हैं। पत्नी और बच्चों के साथ अच्छा समय बीतेगा। मिलेंगे।

तुला : आज आपके घर और कार्यस्थल पर बेहतर वातावरण रहने से काफी प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। नौकरी करने वालों के लिए पदोन्नति का योग है।

वृश्चिक: आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से काफी थकान और आलस्य का अनुभव करेंगे जिससे उत्साह की कमी रहेगी।

धनुः कफ तथा पेट संबंधी बीमारियां आपको परेशान कर सकती हैं। शल्यक्रिया जैसे बड़े मामलों को आज के लिए टाल दें।

मकर : दैनिक कार्यों के अलावा आप अपना आज का समय मनोरंजन तथा मिलने जुलने में बीताएंगे। स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होगा तथा दोस्तों के साथ घूमने जाएंगे।

कुंभ : कार्य में सफलता पाने के लिए आज का दिन उत्तम है। आपके द्वारा किए गए कार्य से आपको यश और कीर्ति मिलेगा।

मीन : आज आपकी कल्पनी शक्ति पूरे निखार पर होगा। आज का दिन साहित्य सृजन के लिए उत्तम है। विद्यार्थी विद्याध्यन में अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे।

राजकुमार राव अभिनीत अनुभव सिन्हा की फिल्म भीड़ में दिखेंगी भूमि पेडनेकर

अनुभव सिन्हा बॉलीवुड के जाने माने निर्देशक हैं। वह अपनी आगामी फिल्म भीड़ को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में अभिनेता राजकुमार राव मुख्य भूमिका में दिखने वाले हैं। इस फिल्म के जरिए वह पहली बार अनुभव के साथ काम करने जा रहे हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक नई जानकारी सामने आ रही है। राजकुमार की फिल्म भीड़ में अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की एंट्री हो गई है। अब फिल्म में राजकुमार और भूमि की जुगलबंदी देखने को मिलेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, भीड़ में भूमि शामिल हो गई हैं। यह एक सामाजिक मुद्दे पर आधारित फिल्म है, जिस पर शायद ही बॉलीवुड में विचार किया गया है। अनुभव ने लॉकडाउन के दौरान ही आयुष्मान खुराना की फिल्म अनेक की शूटिंग समाप्त की है। अब वह अपनी टीम के साथ भीड़ की शूटिंग शुरू करने की योजना पर काम कर रहे हैं। उन्होंने हाल में टीम के साथ लखनऊ में शूटिंग लोकेशंस का जायजा लिया है। फिल्म के कलाकार दिवाली के बाद इस फिल्म से जुड़ जाएंगे। फिल्म की शूटिंग दिवाली के बाद लखनऊ में शुरू होगी। फिल्म का प्री प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है। राजकुमार और भूमि पहले ही बधाई दो में साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन हर्षवर्धन कुलकर्णी कर रहे हैं। जंगली पिक्चर्स द्वारा फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। यह 2018 में रिलीज हुई चर्चित फिल्म बधाई हो का सीक्वल है।

फिल्म गणपत में टाइगर के पिता की भूमिका में नजर आएंगे अमिताभ बच्चन

टाइगर श्रॉफ और कृति सैनन गणपत को लेकर सुर्खियों में हैं। आए दिन फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आ रही है। हाल में खबर आई थी कि फिल्म में टाइगर के पिता और अभिनेता जैकी श्रॉफ दिखेंगे। अब जानकारी सामने आ रही है कि फिल्म में अमिताभ बच्चन भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। खबरों की मानें तो वह टाइगर के पिता की भूमिका में दिख सकते हैं। फिल्म क्रिसमस के मौके पर अगले साल 23 दिसंबर को रिलीज होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, गणपत में टाइगर के पिता की भूमिका निभाने के लिए सदी के महानायक अमिताभ को अप्रोच किया गया है। एक सूत्र ने कहा, टाइगर ने फिल्म में एक बॉक्सर की भूमिका निभाई है, जबकि उनके ऑन स्क्रीन पिता भी अपने शुरुआती दिनों में एक बॉक्सर थे। यह कैरेक्टर फिल्म का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और मेकर्स इस भूमिका के लिए मिस्टर बच्चन को लेने के लिए उत्सुक हैं। सूत्र ने आगे बताया कि अभी कागजी कार्रवाई होनी बाकी है। अमिताभ की तरफ से निर्माताओं को डेट्स उपलब्ध नहीं कराई गई है। फिल्म के एक बड़े हिस्से की शूटिंग यूनाइटेड किंगडम में की जाएगी। टाइगर और कृति दोनों फिल्म की शूटिंग के लिए लंदन पहुंच चुके हैं। फिल्म की शूटिंग लगभग दो महीने तक चलने की उम्मीद है।

बचे चावल से बनाएं टेस्टी स्नैक्स अरनचीनी बॉल्स

अकसर हमारे घरों में चावल बच जाते हैं, अगर आप इसे नया ट्विस्ट देना चाहती हैं तो इससे अरनचीनी बॉल्स बनाकर देखें।

सामग्री :

1 कटोरी बचा चावल, 15 ग्राम अनसॉल्टेड मक्खन, 1 टेबलस्पून ऑलिव ऑयल, 1 कटा प्याज, 1 कटा लहसुन, 150 ग्राम कद्दूकस की हुई पार्मेज़ान चीज़, 150 ग्राम मॉज़ेरेला चीज़, तेल तलने के लिए, नमक स्वादानुसार

कोटिंग के लिए सामग्री- 150 ग्राम आटा या मैदा, 3 अंडे, 150 ग्राम ब्रेडक्रम्ब्स

विधि :

- नॉनस्टिक पैन में मक्खन और ऑयल डालें। इसमें प्याज और लहसुन डालकर भूनें। चावल डालें। इसमें नमक डालें। पार्मेज़ान चीज़ मिलाएं और गैस बंद कर मिश्रण को ठंडा करें।

- इससे बॉल्स बनाएं और बीच में मॉज़ेरेला चीज़ की स्टफिंग करें। ऐसे सभी बॉल्स तैयार कर लें। - मैदा, अंडे और ब्रेडक्रम्ब्स को तीन अलग प्लेट में निकालें। प्रत्येक बॉल को पहले मैदे में रोल करें। फिर अंडे में डुबोएं और अंत में ब्रेड क्रम्ब्स को अच्छी तरह कोटिंग करें।

- कड़ाही में तेल डालकर गर्म करें। इसमें सभी बॉल्स को एक-एक कर सुनहरा होने तक तलें।

- इन अरनचीनी बॉल्स को टमैटो डिपिंग सॉस के साथ गर्मागर्म परोसें।

शेफ टिप्स

ज़रूरी नहीं कि आप इसमें मॉज़ेरेला चीज़ की स्टफ करें। आप इसमें पनीर या चिकेन कीमा से भी स्टफिंग कर सकती हैं। इससे अरनचीनी का स्वाद दोगुना हो जाएगा।

शब्द सामर्थ्य- 247

बाएं से दाएं
1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे
1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

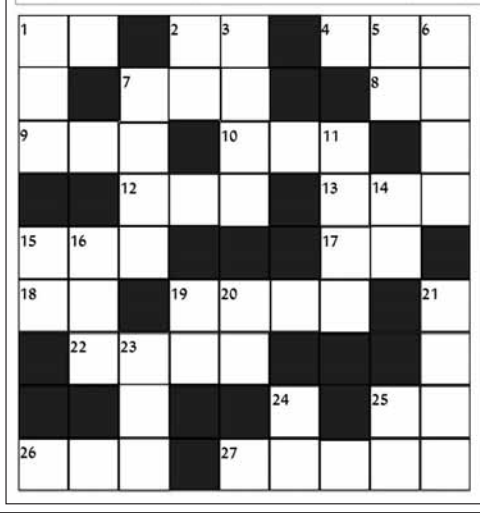

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 246 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

सू-दोकू- 247

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.246 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7